**INSTITUTE OF ADVANCED STUDIES IN EDUCATION**

**(DEEMED TO BE UNIVERSITY)**

of

GANDHI VIDYA MANDIR, SARDARSHAHR

(CHURU) RAJASTHAN – 331403

Phone – 01564 – 220025, 223642, 223054

Web : www.iaseuniversity.org.in

# SYLLABUS

SCHEME OF EXAMINATION AND COURSE OF STUDY

## FACULTY OF HUMANITIES & SOCIAL SCIENCES

## DEPARTMENT OF HINDI

### Ph.D. COURSE-WORK

### Session - 2018-19

# पीएच.डी. हिन्दी पूर्व परीक्षा (कोर्स वर्क)

उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान (मानित वि.वि) पीएच.डी. कोर्स वर्क की परीक्षा दो चरणों में होगी, जिसमें प्रथम सत्र कोर्स वर्क के रूप में होगा। पीएच.डी. कोर्स वर्क पाठ्यक्रम की अवधि छः माह की होगी।

प्रथम सत्र के पाठ्यक्रम कुल चार प्रश्न–पत्र होगें। प्रत्येक प्रश्न पत्र 50 अंक का होगा। कुल 200 अंक होगें उत्तीर्णांक 40% होगें। प्रत्येक छात्र की 75% उपस्थिति अनिवार्य होगी।

पीएच.डी. कोर्स वर्क का पाठ्यक्रम के प्रश्न पत्र निम्नानुसार होंगे–

1. अनुसंधान : प्रविधि और प्रक्रिया – 50 अंक
2. साहित्य की सैद्धान्तिकी भारतीय तथा पाश्चात्य – 50 अंक
3. हिन्दी का मध्यकालीन भक्ति साहित्य – 50 अंक
4. शोध प्रबन्ध कार्य – 50 अंक

## पीएच.डी. कोर्स वर्क हिन्दी पाठ्यक्रम

| पत्र संख्या | प्रश्न पत्र का नाम | आन्तरिक मूल्यांकन | सैद्धान्तिक लिखित परीक्षा | कुल अंक | न्युनतम पास अंक | व्याख्यान प्रतिव्याख्यान एक घंटा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| प्रश्न पत्र प्रथम | अनुसंधान : प्रविधि और प्रक्रिया | | 50 | 50 | 20 | 28 |
| प्रश्न पत्र द्वितीय | साहित्य की सैद्धान्तिकी भारतीय तथा पाश्चात्य | | 50 | 50 | 20 | 28 |
| प्रश्न पत्र तृतीय | हिन्दी का मध्यकालीन भक्ति साहित्य | | 50 | 50 | 20 | 28 |
| प्रश्न पत्र चतुर्थ | शोध प्रबन्ध कार्य | 50 | | 50 | 20 | 60 |

## पीएच.डी. कोर्स वर्क

**समय : 2 घंटे** **पूर्णांक : 50**

## अनुसंधान : प्रविधि और प्रक्रिया

**पाठ्यांश :**

### इकाई प्रथम

1. शोध का कार्य, उदेश्य एवं सिद्वांत
2. शोध का चयन एवं विषय चयन की मुलभुत संकल्पनाएं। शोध प्रारूप का निमार्ण
3. शोध सामग्री संकलन की प्रविधि : सामग्री का संकलन – उसके स्त्रोत, साक्षात्कार एवं पद्धति, प्रश्नावली निमार्ण एवं प्रक्रिया, सचित सामग्री की प्रमाणिकता की जाँच।
4. शोध प्रबंध लेखन

### इकाई द्वितीय

1. पाठालोचन – परिभाषा, पाठ सम्पादन और समस्या, पाठ सम्पादन आवश्कता एवं उद्देश्य, पाठानुसंधान – भाषा एंव लिपि, पाठालोचन तथा साहित्यालोचन, हस्तलेख पाठ और समस्याएँ, पाठ विकृतियाँ। सचेष्ट विकृतियाँ, शुद्ध पाठ चयन के सामान्य सिद्धान्त। हस्तलिखित ग्रंथों का उपयोग।

### इकाई तृतीय

1. कम्प्युटर – अनुप्रयोग – रिर्पाट, निमार्ण, आवश्यकता, परिचय
2. पेज – पेराग्राफ फॉर्मेटीगं, फॉन्ट, मार्जिन (हासिया), लाईन– पेरा के मध्य स्थान
3. हेडर, फूटर, फुटनोट, पेज नम्बर, त्रुटि संसोधन, स्पैल चैक
4. डाटा सग्रहण, साख्कीय डाटा विश्लेषण
5. वैब सर्च – इन्टरनेट – परिचय, उपयोग, इन्टरनेट द्वारा आवश्यक जानकारी प्राप्त करना
6. सर्च इंजिन – गूगल, याहू इत्यादी । नेट सर्च के लिये विशेष तकनीकें।

### इकाई चतुर्थ

1. शोध की वस्तुनिष्ठता
2. शोध की सामाजिक – सास्कृतिक पृष्ठभूमि और संदर्भ
3. शोध और इतिहास दृष्टि
4. अतीत का सृजनात्मक उपयोग
5. साहित्यिक शोध के लिये इतिहास और सामाजशास्त्र के अध्ययन की उपयोगिता

### इकाई पंचम

1. शोध प्रविधि में नव्य संचार
2. शोध और आलोचना
3. लोक साहित्य, भाषा विज्ञान, साहित्येतिहास, नाटक तथा काव्यशास्त्र में शोध की संभावना तथा प्रविधि।
4. हिन्दी के महत्वपुर्ण शोध प्रबंध

**अंक विभाजन :**

कुल पॉच प्रश्न (10x4= 40 अंक)

अन्तिम प्रश्न टिप्पणी पूर्ण होगा।

टिप्पणियां पूरे पाठ्यक्रम से पूछी जाएगी 10 अंक

सभी प्रश्नों कि आंतरिक विकल्प देय

**अनुशांसित ग्रंथ** :


1. अनुसंधान : प्रविधि और क्षेत्र – राजमल बोहरा : राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. शोध और सिद्धान्त – नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली।
3. पाठ सिम्पादन के सिद्धान्त – डॉ कन्हैया सिंह, लोकभारती प्रकाशन।
4. शोध प्रविधि – विनय मोहन शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली।
5. शोध : स्वरूप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविधि – बैजनाथ सिंधला वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. संरचनात्मक शैली विज्ञान – रवीन्द्रनाथ श्री वास्तव, आलेख प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. हिन्दी पाठानुसंधान – कन्हैया सिंह, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
8. हिन्दी शोध तंत्र की रूप रेखा – डॉ मनमोहन सहगल पंचशील प्रकाशन, जयपुर।
9. रिसर्च मैथाडांलाजी – डॉ विरेन्द्र प्रकाश शर्मा पंचशील प्रकाशन, जयपुर।

## पीएच.डी. कोर्स वर्क
## द्वितीय प्रश्न पत्र : साहित्य की सैद्धान्तिकी भारतीय तथा पाश्चात्य

**समय : 2 घंटे** **पूर्णांक : 50**

### इकाई –I

भारतीय काव्यशास्त्र और आचार्य परम्पराभरतमुनि, भामह, दण्डी, वामन, आनन्दवर्धन, कुन्तक, मम्मट, विश्वनाथ तथा पण्डितराज जगन्नाथ का काव्यशास्त्र में योगदान

### इकाई – II

साहित्य की अवधारणाएँ – शास्त्रवाद, स्वच्छन्दतावाद, आदर्शवाद, यथार्थवाद, प्रतीक और प्रतीकवाद, बिम्ब और बिम्बवाद, अस्तित्ववाद।

### इकाई – III

पाश्चत्य साहित्य चिन्तन
अरस्तु का काव्यशास्त्र दृष्टिकोण
लौंजाइनस की उदात्त की अवधारणा
टी.एस. इलियट का परम्परा और निवैयंक्तिकता का सिद्धान्त
कार्लमाक्स के साहित्य सिद्धान्त
उत्तर आधुनिकतावाद
स्त्रीवादी विमर्श

### इकाई IV

आधुनिक भारतीय चिन्तक – अरविन्द, विवेकान्नद और गांधी

### इकाई – V

हिन्दी आलोचना और आलोचक
आचार्य रामचन्द्र शुक्ल आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी, डॉ नगेन्द्र, डॉ रामविलास शर्मा तथा डॉ रामस्वरूप चर्तुवेदी का आलोचनात्मक सिद्धान्त

अंक विभाजन

कुल पॉच प्रश्न (10x4= 40 अंक)

अन्तिम प्रश्न टिप्पणी पूर्ण होगा।

टिप्पणीयां पूरे पाठ्यक्रम से पूछी जाएगी 10 अंक

सभी प्रश्नों कि आंतरिक विकल्प देय

**अनुशासित ग्रंथ :**

1. भारतीय नाट्य सौन्दर्य – डॉ मनोहर काले
2. रस मीमांसा – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
3. भारतीय काव्य शास्त्र – डॉ विश्म्भरनाथ उपाध्याय
4. पाश्चात्य – काव्यशास्त्र का इतिहास – डॉ. नगेन्द्र
5. पाश्चात्य साहित्य का चिन्तन – डॉ. निर्मला जैन
6. संरचनावाद, उत्सरंचनावाद एवं पाच्य काव्यशास्त्र – गोपीचंद नारंग
7. साहित्य के सामाजशास्त्र की भुमिका – मेनेजर पाण्डेय
8. भारतीय काव्यशास्त्र की आचार्य परम्परा – डॉ राधावल्लभ त्रिपाठी

## तृतीय प्रश्नपत्र : हिन्दी का मध्यकालीन भक्ति साहित्य

**समय : 2 घंटे** **पूर्णांक : 50**

**पाठयांश :**

### इकाई I

भक्ति आदोलन सामाजिक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, भक्ति आदोंलन और लोकजागरण भक्ति साहित्य और सामाजिक समरसता, हिन्दी भक्ति साहित्य पर दक्षिण भारत की भक्ति परम्परा का प्रभाव,

### इकाई II

हिन्दी के प्रमुख निर्गुण कवि – कबीर, रैदास, दादूदयाल, नानक, नामदेव तथा जम्भनाथ

### इकाई III

प्रमुख सगुण भक्त कवि – सुरदास, तुलसीदास, मीराँबाई

### इकाई IV

प्रमुख सूफी कवि – कुतुबन, मंझन, मुल्ला दाउद तथा जायसी।

### इकाई V

राम भक्ति काव्य धारा एवं कृष्ण भक्ति काव्य धारा

**अंक विभाजन**

कुल पॉच प्रश्न (10x4= 40 अंक)

अन्तिम प्रश्न टिप्पणी पूर्ण होगा।

टिप्पणीयां पूरे पाठ्यक्रम से पूछी जाएगी 10 अंक

सभी प्रश्नों कि आंतरिक विकल्प देय

**अनुशासित ग्रंथ :**


1. रामचंद्र शुक्ल हिन्दी साहित्य का इतिहास
2. हजारी प्रसाद द्विवेदी – हिन्दी साहित्य की भुमिका
3. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र – हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग 1)
4. डॉ नगेन्द्र – हिन्दी साहित्य का इतिहास
5. विजयदेव नारायण साही – जायसी
6. परशुराम चतुर्वेदी –उतरी भारत की संत परम्परा
7. हरवंश लाल शर्मा – सूरदास
8. हजारी प्रसाद द्विवेदी – कबीर

## चतुर्थ प्रश्न पत्र

## शोध प्रबन्ध कार्य (Project Work)

**समय : 2 घंटे** **पूर्णांक : 50**

कक्षा में प्राध्यापकों द्वारा निर्देशित विषय पर परियोजना कार्य पूर्ण करना होगा।
परियोजना कार्य 50 अंक का होगा, जिसमें निम्न लिखित बिन्दू समाहित हो सकते है

1. साहित्य – समीक्षा की अवधारणा, गुण, तत्व एवं शोध कार्य में समीक्षा की उपादेयता
2. साहित्यपक पत्र – पत्रिकाओं में प्रकाशित शोध पत्र आलेख की समीक्षा (राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय)
3. पुस्तक समीक्षा/शोध प्रबंध समीक्षा
4. साहित्य समीक्षा और इलैक्ट्रानिक मीडिया : बेबसाइट, नेट, बर्किंग, बेब पेज, फेसबुक आदि।
5. प्रस्ताविक शोध कार्य का महत्व और सार्थकता उक्त विषय पर पूर्व में किये गये।
   शोध कार्य की समीक्षा उनकी उपलब्धियाँ, सीमांकन और अपेक्षित क्षेत्र।
6. प्रस्तावित शोध कार्य की प्रस्तुति/रूपरेखा – शोधप्रारूप, अध्यायीकरण, भूल एवं सहायक ग्रंथ की सुची, अनुक्रमणिका, पाद टिप्पणी